केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
''शिक्षा सदन'' १७, राउज एवेन्यू
नई दिल्ली -११०००२

केमाशिबो/शैक्षणिक/सी सी ई/हिंदी/२००६ नवम्बर १०, २००६

परिपत्र संख्या ५२

के मा शि बो से सम्बद्ध सभी
विद्यालयों के प्राचार्यगण

विषय :- कक्षा नवीं में दूसरी छमाही (अक्टूबर से मार्च) से सतत व वृहद मूल्यांकन पद्धति के संदर्भ में हिन्दी कोर्स ए व बी की परीक्षा संरचना में परिवर्तन, पाठ्यक्रम विभाजन, तथा फारमैटिव परीक्षा के लिए दिशा निर्देशों की उपलब्धता के सम्बन्ध में।

प्रिय प्राचार्य ,

जैसा आप सभी को ज्ञात है कि के मा शि बो ने सभी संबद्ध विद्यालयों की कक्षा नवीं में अक्टूबर २००६ (दूसरी छमाही) से उपरोक्त मूल्यांकन पद्धति लागू करने का निर्णय लिया है तथा इसकी सूचना परिपत्र संख्या ३६, ४० व ४२ द्वारा दी जा चुकी है।

परिपत्र संख्या ४२ में दी गयी हिन्दी कोर्स ए व बी की परीक्षा संरचना में आंशिक रूप से संशोधन किए गए हैं तथा परिवर्तित संरचना (वर्ष २०१० में किए गये विशेष परिवर्तनों के सम्पूर्ण ब्यौरे सहित) इस परिपत्र के साथ संलग्न (**'अ'**) है। परीक्षा संरचना में परिवर्तन की तुलनात्मक विवेचना **संलग्नक 'ब'** में दी गयी है। आगामी परीक्षा के लिए यही संरचना मान्य रहेगी ।

विद्यालयों की सुविधा हेतु बोर्ड द्वारा आगामी मार्च २०१० में कक्षा नवीं के लिए नियत संकलित (Summative), परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम का विभाजन तथा फॉरमैटिव परीक्षा हेतु दिशा निर्देश भी उपलब्ध करवाए जा रहें हैं। **(संलग्नक 'स')**

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र हिन्दी कोर्स ए का विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

प्रश्न पत्र ८० अंक का बनेगा तथा मूल्यांकन पश्चात इसे ४० अंक का कर लिया जाऐगा तथा पहली छमाही के अंक जोड़ने के पश्चात ग्रेड निश्चित कर लिए जाऐगें प्रश्न पत्र में चार खण्ड होगें।

खण्ड 'क' - पठन व बोध (अपठित)	**- २० अंक**
खण्ड 'ख' - व्याकरण	**- २० अंक**
खण्ड 'ग' - निर्धारित पुस्तकें (क्षितिज-२५ + कृतिका-५)	**- ३० अंक**
खण्ड 'घ' - लेखन	**- १० अंक**

खण्ड क (२० अंक)

यह खण्ड विद्यार्थीयों की पठन के आधार पर बोधात्मक क्षमता को परखने के लिए निर्धारित है। इस खण्ड के लिए निर्धारित अंक **२०** हैं तथा इसमें **दो** अपठित गंद्याश व **दो** अपठित काव्यांश होगें । प्रत्येक अंश के अंक **५** रहेंगें तथा प्रत्येक गंद्याश व काव्यांश पर **एक-एक अंक के पाँच बहुविकल्पी** प्रश्न पूछे जाऐंगें

यह गंद्याश व काव्यांश साहित्यिक लेख, कविता आदि में से लिए जा सकते हैं ! प्रश्न अनुमान लगाने की क्षमता, मूल्यांकन करने की क्षमता, शब्द ज्ञान व बोधात्मकता आदि कौशलों का मूल्यांकन करने हेतु होगें

(२०)

खण्ड ख (२० अंक)

प्रश्न (५-९) व्याकरण के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर इस खण्ड में व्याकरण की परीक्षा होगी । (उपसर्ग-प्रत्यय) विशेषण, लिंग और वचन का विशेषण पर प्रभाव तथा परसर्ग 'ने' का क्रिया पर प्रभाव, संज्ञा, सर्वनाम, लिंग (लिंग वचन, कारक) समास वाक्य रचना व पर्यायवाची, विलोम शब्द आदि। प्रश्नों की संख्या **पाँच** होगी तथा इस खण्ड के सम्पूर्ण अंक **२०** होगें। सभी प्रश्न **बहुविकल्पी** प्रकार के होगें ।

(२०)

खण्ड ग (३० अंक)

प्रश्न (१०-१४) यह खण्ड निर्धारित पुस्तकों क्षितिज व कृतिका पर आधारित होगा

प्रश्न संख्या १० में पाठ्यपुस्तक क्षितिज में से दो अनुच्छेद दिऐ जाऐगें तथा दोनो पर **एक एक अंक के पाँच बहुविकल्पी** प्रश्न जो छात्रों की अनुमान लगाने की क्षमता, मूल्याकंन करने की क्षमता व बोध को परखने के लिए होगें प्रतिदर्श प्रश्न पत्र में एक अनुच्छेद दिया गया है। प्रश्न पत्र में ऐसे **दो** अनुच्छेद होगें तथा **दो में से एक** करना होगा। (५)

प्रश्न संख्या ११ क्षितिज पुस्तक में पाठों के आधार पर **२ अंक वाले पांच लघुउत्तरीय** प्रश्न पूछे जाऐगें प्रश्न छात्रों की समझ व व्यक्तिगत सूझ बूझ को परखने के लिए तैयार किऐ जाऐगें

(१०)

प्रश्न संख्या १२. पाठ्यपुस्तक में दी गयी कविताओं में से कोई **दो** पद्यांश दिए जाऐगें। **दो में से किसी एक** पद्यांश को करना होगा। पद्यांश में कविता के बोध व शब्द ज्ञान को लेकर **पांच अतिलघुउत्तरीय** या **तीन लघु उत्तरीय** प्रश्न पूछे जाऐगें (५)

प्रश्न संख्या १३ कविताओं के तथ्यों पर आधारित **तीन या चार** लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाऐगें। (५)

प्रश्न संख्या १४ पूरक पाठ्य पुस्तक के आधार पर **दो में से एक निबंधात्मक** प्रश्न पूछा जाऐगा जो छात्रों की सामाजिक जीवन से जुड़ी जीवंत समस्याओं के प्रति दृष्टिकोण व उच्च्य स्तरीय विचार कौशलों के परीक्षण हेतु बनाऐ जाऐगें। (५)

खण्ड घ (१० अंक)

प्रश्न (१५-१६) यह खण्ड लेखन कौशल पर आधारित होगा तथा इसके **अंक १०** होगें

प्रश्न संख्या १५ वास्तविक जीवन से संबंधित विषयों पर दो में से एक पत्र (५ अंक) का पूछा जाऐगा। इसमें विचारों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति, भाषा की सफाई आदि पर अंक निर्धारण किया जाऐगा। (५)

प्रश्न संख्या १६ समसामायिक विषयों पर दो में से एक निबन्ध (५ अंक) पूछा जाऐगा । इसमें विचारों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति, भाषा की सफाई आदि पर अंक निर्धारण किया जाऐगा। (५)

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र हिन्दी कोर्स ब का विस्तृत विवरण इस प्रकार है।

प्रश्न पत्र ८० अंक का बनेगा तथा मूल्यांकन पश्चात इसे ४० अंक का कर लिया जाऐगा तथा पहली छमाही के अंक जोड़ने के पश्चात ग्रेड निश्चित कर लिए जाऐगें प्रश्न पत्र में चार खण्ड होगें

खण्ड 'क' - पठन व बोध (अपठित)	**- २० अंक**
खण्ड 'ख' - व्याकरण	**- २० अंक**
खण्ड 'ग' - निर्धारित पुस्तकें (स्पर्श- भाग-१ (२५), संचयन - भाग-१ (५))	**- ३० अंक**
खण्ड 'घ' - लेखन	**- १० अंक**

खण्ड क (२० अंक)

प्रश्न संख्या (१-४) यह खण्ड विद्यार्थीयों की पठन के आधार पर बोधात्मक क्षमता को परखने के लिए निर्धारित है। इस खण्ड के लिए निर्धारित **अंक २०** हैं तथा इसमें दो अपठित गंद्याश व दो अपठित काव्यांश होगें । प्रत्येक अंश के **अंक ५** रहेंगें प्रत्येक गंद्याश व काव्यांश पर **एक-एक अंक के पाँच बहुविकल्पी** प्रश्न पूछे जाऐंगें । यह गंद्याश साहित्यिक लेख, कविता आदि में से लिए जा सकते हैं। प्रश्न अनुमान लगाने, मूल्यांकन करने, शब्द ज्ञान व बोधत्मकता आदि कौशलों का मूल्यांकन करने हेतु होगें ।

(२०)

खण्ड ख (२० अंक)

प्रश्न संख्या (५-६) इस खण्ड में व्याकरण के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम की परीक्षा होगी ।
वर्ण - विच्छेद, उपसर्ग, प्रत्यय से शब्द निर्माण, पर्यायवाची, विलोम अनेकार्थी शब्द, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, वाक्य के अंग, सरल वाक्य, विराम, चिह्नों का प्रयोग, मुहावरे - वाक्य प्रयोग आदि।

प्रश्नों की संख्या **पाँच** होगी तथा इस खण्ड के सम्पूर्ण **अंक २०** होगें। सभी **प्रश्न बहुविकल्पी** प्रकार के होगें ।

खण्ड ग (३० अंक)

प्रश्न (१०-१६) यह खण्ड पाठ्य पुस्तक पर आधारित होगा ।

प्रश्न संख्या १० इस प्रश्न में पाठ्यपुस्तक स्पर्श में से दो काव्यांश दिए जाऐगें तथा दोनों पर **एक एक अंक के पाँच बहुविकल्पी** प्रश्न जो छात्रों की अनुमान लगाने की क्षमता, मूल्याकंन करने की क्षमता व बोध को

परखने के लिए होगें प्रतिदर्श प्रश्न पत्र में एक अनुच्छेद दिया गया है। प्रश्न पत्र में ऐसे **दो** काव्यांश होगें तथा **दो में से एक** करना होगा। (५)

प्रश्न संख्या ११ स्पर्श पुस्तक में दिए गए पाठों के आधार पर **२.५ अंक** वाले **चार में से दो लघुउत्तरीय** प्रश्न करने होगें प्रश्न छात्रों की समझ व व्यक्तिगत सूझ बूझ को परखने के लिए तैयार किऐ जाऐगें। (५)

प्रश्न संख्या १२ पाठ्यपुस्तक के आधार पर **दो में से एक निबंधात्मक** प्रश्न करना होगा जो छात्रों की सामाजिक जीवन से जुड़ी जीवंत समस्याओं के प्रति दृष्टिकोण व उच्च स्तरीय विचार कौशलों के परीक्षण हेतु बनाऐ जाऐगें। (५)

प्रश्न संख्या १३ दो में से एक गद्यांश पर अर्थग्रहण सम्बंधी **तीन या चार** लघुउत्तरीय प्रश्न जो छात्रों की कविताओं की बोधात्मक क्षमता को परखने के लिए बनाऐ जाऐगें (५)

प्रश्न संख्या १४ पाठ्य पुस्तक में दी गयी कविताओं के विषय-बोध और सराहना पर आधारित **लघुउत्तरीय दो या तीन** प्रश्न (५)

प्रश्न संख्या (१५-१६) पूरक पाठ्य पुस्तक के आधार पर **दो लघुउत्तरीय** प्रश्न पूछे जाऐगें जो छात्रों की सामाजिक जीवन से जुड़ी जीवंत समस्याओं के प्रति दृष्टिकोण व उच्च स्तरीय विचार कौशलों के परीक्षण हेतु बनाऐ जाऐगें। (५)

खण्ड घ (१० अंक)
प्रश्न (१७-१८) यह खण्ड लेखन कौशल पर आधारित होगा तथा इसके अंक १० होगें

प्रश्न संख्या १७ दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग **१०० शब्दों** का **तीन में से एक** का अनुच्छेद पूछा जाऐगा। इसमें विचारों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति, भाषा की सफाई आदि पर अंक निर्धारण किया जाऐगा। (५)

प्रश्न संख्या १८ वास्तविक जीवन से संबन्धित विषयों पर **दो में से एक** पत्र पूछा जाऐगा। (५)

कृपया इसकी सूचना संबद्ध अध्यापकों व विद्यार्थियों की शीध्रतम शीध्र करवाएं।

भवदीय,

(अल हिलाल अहमद)
सहायक शिक्षा अधिकारी

प्रतिलिपि प्रेषित

१	कमिश्नर केन्द्रीय विद्यालय संगठन, १८, इंस्टीट्शनल एरिया, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली-११००१६
२	कमिश्नर, सर्वोदय विद्यालय समिति, ए-२८, कैलाश कॉलोनी, नई दिल्ली
३	शिक्षा-निदेशक, शिक्षा-निदेशालय, गवर्नमेंट ऑफ एन०सी०ई०आर०टी० दिल्ली, पुराना सचिवालय, दिल्ली-११००५४
४	निदेशक- पब्लिक इंस्ट्रक्शन्स स्कूल्स यूनियन टेरीटरी सेकेट्रियेट, सैक्टर-६ चंडीगढ़-१६००१७१
५	शिक्षा-निदेशक, सिक्किम सरकार गंगटोक, सिक्किम-७३७१०१
६	विद्यालय-शिक्षा-निदेशक, अरूणाचल प्रदेश सरकार, इटानगर-७०११११
७	शिक्षा-निदेशक, ए और एन सरकार, आइरलैण्ड, पोर्टब्लेयर-७४४१२०१
८	सचिव, केन्द्रीय तिब्बतन स्कूल, प्रशासन, सैक्टर-५, रोहिणी, दिल्ली-११००८५
९	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सभी क्षेत्रीय अधिकारी।
१०	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सभी शिक्षा अधिकारी।
११	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सभी सह शिक्षा अधिकारी।
१२	अध्यक्ष, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवम् सभी कार्यकारी अधिकारी।
१३	सचिव के निजी सहायक
१४	विभागाध्यक्ष, एड्यूसैट के निजी सहायक
१५	परीक्षा नियंत्रक के निजी सहायक
१६	शिक्षा निदेशक के निजी सहायक

सहायक शिक्षा अधिकारी

संलग्नक 'अ'

हिन्दी (पाठ्यक्रम-ब)
कक्षा नवम

प्रश्न पत्र निर्माण के लिए निर्देश

सामान्य -

क. बोध

ख. व्याकरण

ग. पाठ्य पुस्तक

घ. लेखन

लिखित परीक्षा का भार ४० प्रतिशत रहेगा

८० अंक के प्रश्न पत्र को मूल्यांकन के पश्चात् ४० अंक में परिवर्तित कर लिया जायेगा । तदोपरांत ग्रेड निर्धारण किया जाऐगा।

खण्ड	विभाग	अंक	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या
क.	पठन व बोध (अपठित)	5x4=20	बहुविकल्पी प्रश्न	४
ख.	व्याकरण	4x5=20	बहुविकल्पी प्रश्न	५
ग.	पाठ्य पुस्तक व पूरक पाठ्य पुस्तक	20+05+05=30	लघु उत्तरीय प्रश्न (२० अंक), दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (५ अंक) तथा बहुविकल्पी प्रश्न (५ अंक)	७
घ.	लेखन	05+05=10	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (५+५ अंक)	२

हिन्दी (पाठ्यक्रम-अ)

प्रश्न पत्र निर्माण के लिए निर्देश

सामान्य -

क. बोध

ख. व्याकरण

ग. पाठ्य पुस्तक

घ. लेखन

लिखित परीक्षा का भार ४० प्रतिशत रहेगा

८० अंक के प्रश्न पत्र को मूल्यांकन के पश्चात् ४० अंक में परिवर्तित कर लिया जायेगा । तदोपरांत ग्रेड निर्धारण किया जाऐगा।

खण्ड	विभाग	अंक	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या
क.	पठन व बोध (अपठित)	5x4=20	बहुविकल्पी प्रश्न	४
ख.	व्याकरण	4x5=20	बहुविकल्पी प्रश्न	५
ग.	पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक	20+05+05=30	लघु उत्तरीय प्रश्न (१० अंक), दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (५ अंक) तथा बहुविकल्पी प्रश्न (५ अंक)	५
घ.	लेखन	05+05=10	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (५+५ अंक)	२

संलग्नक 'ब'

हिंदी कक्षा नवीं कोर्स अ

	वर्ष २००६	प्रश्न प्रकार	वर्ष २०१०	प्रश्न प्रकार	टिप्पणी
१	खण्ड क (१) दो अपठित गद्यांश ३०० से ४०० शब्दो के (२) अपठित पद्यांश २०० से ३०० शब्दों का एक पद्यांश	लधु उत्तरीय प्रश्न २०	(१) १००-१५० शब्दों के दो अपठित गद्यांश ५X२=१० (२) १०० शब्दों के दो अपठित पद्यांश ५X२=१०	बहु विकल्पीय प्रश्न २०	केवल प्रश्नों के प्रकार में भिन्नता है तथा सरलता हेतु कम शब्द सीमा वाले चार प्रश्न लिए गये हैं २००६ में अधिक शब्दों वाले दो प्रश्न होते थे
२	खण्ड (ख) रचना पत्र लेखन -(५) निबंध लेखन -(१०)	निबंधात्मक १५	खण्ड (घ) पत्र लेखन -(५) निबंध लेखन -(५)	निबंधात्मक १०	खण्डों के क्रम को छोड़कर कोई भी परिवर्तन नहीं है।
३	व्यावहारिक व्याकरण	अति लधु उत्तरीय, लधु उत्तरीय १५	खण्ड ख	बहु विकल्पीय प्रश्न २०	प्रश्नों के प्रकार को छोड़कर कोई भी परिवर्तन नहीं किया गया है। व्याकरण ज्ञान पर अधिक बल देने के लिए भार में आंशिक बढोतरी की गयी है
४.	पाठ्य पुस्तक (घ) ४०	लधु उत्तरीय प्रश्न निबंधात्मक	खण्ड ग	बहु विकल्पीय प्रश्न लधु उत्तरीय, ३०	प्रश्नों के प्रकार को छोड़कर कोई भी परिवर्तन नहीं किया गया है

हिंदी कक्षा नवीं कोर्स ब

	वर्ष २००६	प्रश्न प्रकार	वर्ष २०१०	प्रश्न प्रकार	टिप्पणी
१	खण्ड क (१) अपठित गद्यांश ३०० से ४०० शब्दो का (२) अपठित पद्यांश २०० से ३०० शब्दों का एक पद्यांश	लधु उत्तरीय प्रश्न २०	(१) १००-१५० शब्दों के दो अपठित गद्यांश ५X२=१० (२) १०० शब्दों के दो अपठित गद्यांश ५X२=१०	बहु विकल्पीय प्रश्न २०	केवल प्रश्नों के प्रकार में भिन्नता है तथा सरलता हेतु कम शब्द सीमा वाले चार प्रश्न लिए गये हैं २००६ में अधिक शब्दों वाले दो प्रश्न होते थे
२	खण्ड (ख) रचना पत्र लेखन-५ अनुछेच्द लेखन-५	निबंधात्मक २०	खण्ड (घ) पत्र लेखन-५ अनुछेच्छ लेखन-५	निबंधात्मक १०	खण्डों के क्रम को छोड़कर कोई भी परिवर्तन नहीं है।
३	व्यावहारिक व्याकरण	अति लधु उत्तरीय, लधु उत्तरीय २०	खण्ड ख	बहु विकल्पीय प्रश्न २०	प्रश्नों के प्रकार को छोड़कर कोई भी परिवर्तन नहीं किया गया है।
४.	पाठ्य पुस्तक (घ)	लधु उत्तरीय प्रश्न निबंधात्मक ३०	खण्ड ग	बहु विकल्पीय प्रश्न लधु उत्तरीय, ३०	प्रश्नों के प्रकार को छोड़कर कोई भी परिवर्तन नहीं किया गया है

संलग्नक 'स'

कक्षा - नवीं
कोर्स - ब
विषय - हिन्दी

पाठ्य - पुस्तक एवं पूरक पुस्तक

स्पर्श - भाग-१

संचयन - भाग-१

व्यावहारिक व्याकरण

द्वितीय - सत्र पाठ्यक्रम (अक्टूबर मार्च)

खण्ड-क

(i) दो अपठित गद्यांश (१०० से १५० शब्दों के)

(ii) दो अपठित काव्यांश (१०० से १५० शब्दों के)

खण्ड-ख व्यावहारिक व्याकरण

(i) वर्ण - विच्छेद

(ii) उपसर्ग, प्रत्यय से शब्द निर्माण

(iii) पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी शब्द, वाक्यांशों के लिए एक शब्द

(iv) वाक्य के अंग, सरल वाक्य

(v) विराम, चिह्नों का प्रयोग

(vi) मुहावरे - वाक्य प्रयोग

खण्ड-ग

स्पर्श - भाग (१)

गद्य-खण्ड

१.	शरद जोशी	-	तुम कब जाओगे, अतिथि
२.	धीरंजन मालवे	-	वैज्ञानिक चेतना के वाहक
३.	काका कालेलकर	-	कीचड़ का काव्य
४.	गणेश शंकर विद्यार्थी	-	धर्म की आड़
५.	स्वामी आनंद	-	शुक्रतारे के समान

काव्य खण्ड

१.	सियारामशरण गुप्त	-	एक फूल की चाह
२.	रामधारी सिंह दिनकर	-	गीत - अतीत
३.	हरिवंशराय बच्चन	-	अग्नि-पथ
४.	अरूण कमल	-	नए इलाके में खुशबू रचते हैं हाथ......

संचयन - भाग

१. मेरा छोटा सा निजी पुस्तकालय - धर्मवीर भारती
२. हामिद खां - एस.के. पोट्टेकाट
३. दिए जल उठे - मधुकर उपाध्याय

खण्ड-घ रचना

(i) पत्र-लेख (अनौपचारिक)

(ii) अनुच्छेद लेखन - समसामयिक विषयों पर संकेत बिन्दुओं पर आधारित ८० से १०० शब्दों तक

(फॉरमैटिव परीक्षा)

फॉरमेटिव परीक्षा कें अंक २० होंगे ।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

(i) वाचन या मौखिक अभिव्यक्ति

(ii) लेखन या लिखित अभिव्यक्ति

१. **वाद-विवाद**

विषय - शिक्षक विषय का चुनाव स्वंय करें

आधार बिंदू

(i) – तार्किकता, भाषण कला, अपनी बात अधिकारपूर्वक कहना

२. **कवि सम्मेलन** - पाठ्यपुस्तक में संकलित कविताओं के आधार पर कविता पाठ

या

मौलिक कविताओं की रचना कर कवि सम्मेलन या अंत्याक्षरी

आधार बिंदू

(i) अभिव्यक्ति

(ii) गति, लय, आरोह-अवरोह सहित कविता वाचन

(iii) मंच पर बोलने का अभ्यास / या मंच भय से मुक्ति

३ कहानी सुनाना/कहानी लिखना या घटना का वर्णन / लेखन

(i) संवाद - भावानुकूल, पात्रानुकूल

(ii) घटनाओं का क्रमिक विवरण

(iii) प्रस्तुतिकरण

(iv) उच्चारण

४. परिचय देना और परिचय लेना

पाठय पुस्तक के पाठों से प्रेरणा लेते हुए आधुनिक तरीके से किसी नए मित्र से संवाद स्थापित करते हुए अपना परिचय सरल शब्दों में देना तथा उसके विषय में जानकारी प्राप्त करना ।

आधार - महादेवी वर्मा - मेरे बचपन के दिन

जाबिर हुसैन - साँवले सपनों की याद

हरिशंकर परसाई - प्रेमचंद के फटे जूते

५. **अभिनय कला** -

पूरक पाठ्य पुस्तक – 'कृतिका' के सभी पाठों के आधार पर विद्यार्थी अपनी अभिनय प्रतिभा का प्रदर्शन कर भाषा में संवादों की अदायगी का प्रभावशाली प्रयोग कर सकते हैं नाटक एक सामूहिक क्रिया है । अतः नाटक के लेखन, निर्देशन संवाद, अभिनय, भाषा, उद्देश्य इत्यादि को देखते हुए शिक्षक स्वयं अंकों का निर्धारण कर सकता है ।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

श्रवण (सुनना)	वाचन (बोलना)
१. विद्यार्थी में परिचित संदर्भो में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है, किन्तु सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	१. शिक्षार्थी केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।
२. छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संदर्भो में समझने की योग्यता है।	२. परिचित संदर्भो में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
३. परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भो में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है। अशुद्धियाँ करता है जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।	३. अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है अभी भी कुछ अशुद्धियाँ करता है। जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।
४. दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझता है और निष्कर्ष निकाल सकता है।	४. अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत कर सकता है। ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रुकावट नहीं आती।
५. जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करता है, उद्धेश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	५. उद्धेश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है।

६ **आशुभाषण**

छात्रों की अनुभव परिधि से संबद्ध विषय

७ **सामूहिक चर्चा**

आपने हाल ही में जो कुछ पढ़ा है या कोई फिल्म देरवी है उस पर सामूहिक चर्चा करें

मूल्यांकन के संकेत बिंदुओं का विवरण

प्रस्तुतिकरण २

(i) आत्मविश्वास
(ii) हाव भाव के साथ
(iii) प्रभावशाली
(iv) तार्किकता
(v) स्पष्टता

विषय वस्तु १

(i) विषय की सही अवधारणा
(ii) तर्क सम्मत

भाषा १

शब्द चयन, स्तर और अवसर के अनुकूल, स्पष्टता, हों ।

उच्चारण १

स्पष्ट उच्चारण, सही अनुतान, आरोह अवरोह अधिक बल देना चाहिए ।

कक्षा नवम – पाठयक्रम 'अ'

हिन्दी

अक्टूबर से फरवरी तक पाठयक्रम विभाजन – २००६–२०१०

पाठय पुस्तकें

क्षितिज – भाग–१

कृतिका – भाग–१

खण्ड–क

१. **दो अपठित गद्यांश (१०० से १५० शब्दों के)**

२. **दो अपठित काव्यांश (१०० से १५० शब्दों के)**

खण्ड–ख व्यावहारिक व्याकरण

(i) (उपसर्ग–प्रत्यय) विशेषण

(ii) लिंग और वचन का विशेषण पर प्रभाव तथा परसर्ग 'ने' का क्रिया पर प्रभाव

(iii) संज्ञा

(iv) सर्वनाम

(v) लिंग (लिंग वचन, कारक) समास विलोम शब्द, व पर्यायवाची

(vi) वाक्य रचना

खण्ड–ग

क्षितिज २५

४.	जाबिर हुसैन	–	साँवले सपनों की याद
५.	चपला देवी	–	नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया
६.	हरिशंकर परसाई	–	प्रेमचंद के फटे जूते
७.	महादेवी वर्मा	–	मेरे बचपन के दिन
८.	हज़ारी प्रसाद द्विवेदी	–	एक कुत्ता और एक मैना

काव्य खंड

१३.	सुमित्रानंदन पंत	–	ग्राम श्री
१४.	केदारनाथ अग्रवाल	–	चंद गहना से लौटती बेर
१५.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	–	मेघ आए
१६.	चंद्रकांत देवताले	–	यमराज की दिशा
१७.	राजेश जोशी	–	बच्चे काम पर जा रहे हैं।

कृतिका ५

३.	रीढ़ की हड्डी	–	जगदीश चन्द्र माथुर
४.	माटी वाली	–	विद्या सागर नौटियाल
५.	किस तरह आखिरकार मैं हिन्दी में आया	–	शमशेर बहादुर सिंह

खण्ड-घ रचना (१०)

(i) निबन्ध-लेख (समसामायिक विषयों पर)

(ii) पत्र-लेखन वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित

(फॉरमैटिव परीक्षा)

फॉरमेटिव परीक्षा कें अंक भार २० होगा ।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

(i) वाचन या मौखिक अभिव्यक्ति

(ii) लेखन या लिखित अभिव्यक्ति

१. **वाद-विवाद**

विषय - शिक्षक विषय का चुनाव स्वंय करें

आधार बिंदू

(i) – तार्किकता, भाषण कला, अपनी बात अधिकारपूर्वक कहना

२. **कवि सम्मेलन** - पाठ्यपुस्तक में संकलित कविताओं के आधार पर कविता पाठ

या

मौलिक कविताओं की रचना कर कवि सम्मेलन या अंत्याक्षरी

आधार बिंदू

(i) अभिव्यक्ति

(ii) गति, लय, आरोह-अवरोह सहित कविता वाचन

(iii) मंच पर बोलने का अभ्यास / या मंच भय से मुक्ति

३. कहानी सुनाना/कहानी लिखना या घटना का वर्णन / लेखन

(i) संवाद - भावानुकूल, पात्रानुकूल

(ii) घटनाओं का क्रमिक विवरण

(iii) प्रस्तुतिकरण

(iv) उच्चारण

४. परिचय देना और परिचय लेना

पाठय पुस्तक के पाठों से प्रेरणा लेते हुए आधुनिक तरीके से किसी नए मित्र से संवाद स्थापित करते हुए अपना परिचय सरल शब्दों में देना तथा उसके विषय में जानकारी प्राप्त करना ।

आधार - महादेवी वर्मा - मेरे बचपन के दिन

जाबिर हुसैन - साँवले सपनों की याद

हरिशंकर परसाई - प्रेमचंद के फटे जूते

५.   **अभिनय कला** –

पूरक पाठ्य पुस्तक – 'कृतिका' के सभी पाठों के आधार पर विद्यार्थी अपनी अभिनय प्रतिभा का प्रदर्शन कर भाषा में संवादों की अदायगी का प्रभावशाली प्रयोग कर सकते हैं नाटक एक सामूहिक क्रिया है । अतः नाटक के लेखन, निर्देशन संवाद, अभिनय, भाषा, उद्देश्य इत्यादि को देखते हुए शिक्षक स्वयं अंकों का निर्धारण कर   सकता है ।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

श्रवण (सुनना)	**वाचन (बोलना)**
१. विद्यार्थी में परिचित संदर्भो में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है, किन्तु सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	१. शिक्षार्थी केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।
२. छोटे संबद्ध कथनों को परिचित संदर्भो में समझने की योग्यता है।	२. परिचित संदर्भो में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
३. परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भो में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है। अशुद्धियाँ करता है जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।	३. अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है अभी भी कुछ अशुद्धियाँ करता है। जिससे प्रेषण में रुकावट आती है।
४. दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझता है और निष्कर्ष निकाल सकता है।	४. अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत कर सकता है। ऐसी गलतियाँ करता है जिनसे प्रेषण में रुकावट नहीं आती।
५. जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करता है, उद्धेश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	५. उद्धेश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है।

६ **आशुभाषण**

छात्रों की अनुभव परिधि से संबद्ध विषय

७ **सामूहिक चर्चा**

आपने हाल ही में जो कुछ पढ़ा है या कोई फिल्म देरवी है उस पर सामूहिक चर्चा करें

मूल्यांकन के संकेत बिंदुओं का विवरण

<u>प्रस्तुतिकरण</u> २

(i) आत्मविश्वास

(ii) हाव भाव के साथ

(iii) प्रभावशाली

(iv) तार्किकता

(v) स्पष्टता

<u>विषय वस्तु</u> १

(i) विषय की सही अवधारणा

(ii) तर्क सम्मत

<u>भाषा</u> १

शब्द चयन, स्तर और अवसर के अनुकूल, स्पष्टता, हों ।

<u>उच्चारण</u> १

स्पष्ट उच्चारण, सही अनुतान, आरोह अवरोह अधिक बल देना चाहिए ।